

परबंद पुं. (तद्.) नृत्य की एक मुद्रा जिसमें नर्तक एड़ियों के बल खड़ा रहता है तथा दोनों कुहनियाँ कमर से सटी रहती हैं।

परबत्ता पुं. (देश.) पहाड़ी तोता या सुग्गा जो सामान्य तोते से कुछ बड़ा होता है और दोनों डैनों पर लाल चिह्न होते हैं।

परबस पुं. (तद्.) दे. परवश।

परबाल पुं. (तद्.) 1. आँख की पलक के ऊपर निकला हुआ अतिरिक्त बाल, जो कि पीड़ादायक होता है 2. दे. प्रवाल स्त्री. परस्त्री, परकीया नायिका।

परबी स्त्री. (तद्.) पर्व या उत्सव का दिन, पुण्य काल, त्योहारी।

परब्रह्म पुं. (तत्.) ब्रह्म जो जगत से परे है, निर्गुण, निरुपाधि ब्रह्म।

परभंजन पुं. (तद्.) दे. प्रभंजन।

परभुक्त वि. (तत्.) अन्य द्वारा प्रभुक्त।

परभुक्ता स्त्री. (तत्.) दूसरे की भोगी हुई, ऐसी स्त्री जिससे कोई अन्य व्यक्ति पहले ही समागम कर चुका हो।

परभूत पुं. (तद्.) प्रचुर, प्रभूत।

परभूत पुं. (तत्.) 1. कार्तिकेय 2. जिसका पालन किसी दूसरे या अन्य ने किया हो 3. कोयल (जिसका पालन कौआ करता है)।

परम पुं. (तत्.) 1. शिव 2. विष्णु 3. प्रणव, ओंकार 4. वह वस्तु या व्यक्ति जो सर्वोच्च हो, उन्नत वि. 1. योग्य, महत्वपूर्ण, मुख्य या प्रधान, उत्कृष्ट 2. किसी दिशा या क्षेत्र में सबसे आगे, अत्यंत 3. जिसके हाथ में सर्वाधिकार हो 4. आरंभिक, आदि का आदिम।

परमक्रांति पुं. (तत्.) सूर्य की समस्त क्रांति।

परमगति स्त्री. (तत्.) 1. मोक्ष, मुक्ति 2. उत्तम गति।

परमगहन वि. (तत्.) अत्यंत गूढ़, अति क्लिष्ट, अति जटिल।

परमगूढ़ वि. (तद्.) परम गहन, अत्यंत रहस्यमय।

परमट पुं. (देश.) संगीत में दी जाने वाली एक ताल (अं.) 1. परमिट, कर, चुंगी या विदेश जाने वाले सामान पर लगने वाला कर 2. अनुमति।

परमतत्त्व पुं. (तत्.) 1. संपूर्ण विश्व जहाँ से जन्मा है, वह मूल तत्त्व, मूल सत्ता, मूल स्रोत 2. ब्रह्म, ईश्वर, सृष्टिकर्ता।

परमद पुं. (तत्.) अत्यधिक मादक पदार्थों के सेवन से होने वाला रोग, इसमें शरीर भारी हो जाता है गला सूखता है और प्यास अत्यधिक लगती है।

परमदेवी स्त्री. (तत्.) (प्राचीन काल में) महासामंत की गृहिणी या पत्नी।

परमधाम पुं. (तत्.) वैकुण्ठ, स्वर्ग।

परमनट पुं. (अं.) स्थायी, स्थिर।

परमपद पुं. (तत्.) 1. सबसे श्रेष्ठ पद, सर्वोच्च स्थान 2. मोक्ष, मुक्ति।

परमपिता पुं. (तत्.) 1. परमेश्वर, ईश्वर।

परमपुरुष पुं. (तत्.) 1. परमात्मा 2. विष्णु।

परमफल पुं. (तत्.) 1. सबसे उत्तम फल या परिणाम 2. मोक्ष, मुक्ति।

परमब्रह्म पुं. (तत्.) परब्रह्म, ईश्वर।

परमब्रह्मचारिणी पुं. (तत्.) दुर्गा।

परमभट्टारक पुं. (तत्.) एक छत्र राजा को मिलने वाली एक प्रकार की उपाधि।

परमभट्टारिका स्त्री. (तत्.) 1. प्राचीन युग में प्रयुक्त या दी जाने वाली सामाग्री की उपाधि 2. रानियों महारानियों को दी जाने वाली एक प्रकार की सम्मान सूचक उपाधि।

परममहत् पुं. (तत्.) सबसे बड़ा, व्यापक यथा-काल, दिक्, आकाश तथा आत्मा, इन्हें परम महत् कहा जाता है।

परमरस पुं. (तत्.) 1. पानी मिला हुआ मद्धा, ऐसा तक्र जिसमें जल मिश्रित किया गया हो।